"गणतन्त्र दिवस पर निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड का सन्देश"

66वें गणतन्त्र दिवस के शुभ अवसर पर मैं प्रदेश के समस्त छात्र–छात्राओं, अध्यापकों, अभिभावकों एवं समस्त अभिकर्मियों को हार्दिक शुभकामनायें देती हूँ एवं उन अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को स्मरण करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ। जिनके बलिदान से हम आजाद राष्ट्र में जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

शिक्षा अभिकर्मी होने के नाते जन–जन तक प्रारम्भिक शिक्षा को पहुँचाना हमारा दायित्व है। सभी बच्चे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्राप्त करें, इस हेतु प्राथमिक/उच्च प्राथमिक स्तर पर नवीन विद्यालयों की स्थापना की गई हैं और सर्व शिक्षा अभियान के द्वारा अनेक योजनाओं का संचालन भी किया जा रहा है, किन्तु इन सभी का लाभ समाज के प्रत्येक इकाई पर बैठे व्यक्ति तक तभी पहुँचेगा जब हम विभिन्न योजनाओं की अवधारणाओं को धरातल पर उतार सकेंगे।

इसके लिए हमारा प्रयास हो कि सभी बच्चे नियमित रूप से विद्यालय आयें इस हेतु उन्हें प्रोत्साहित किया जाय। विद्यालयों का वातावरण ऐसा हो कि बच्चे स्वयं विद्यालय आने के लिए प्रेरित हों। शिक्षक हमारे विद्यालय संचालन की धुरी हैं। अतः अध्यापक स्वअनुशासित रहकर विद्यालयों में नियमित रूप से उपस्थित होकर विद्यार्थियों के साथ आनन्दपूर्ण वातावरण में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को संचालित करें। शिक्षण हमारा मुख्य कार्य है और यही हमारी गतिविधियों का केन्द्र रहना चाहिए, अन्य सभी योजनायें एवं कार्यक्रम इसको समर्थन देने के लिए हैं।

विद्यार्थियों की व्यक्तिगत स्वच्छता एवं विद्यालय परिसर की स्वच्छता पर ध्यान केन्द्रित किये जाने की आवश्यकता है। यदि हमारा परिवेश स्वच्छ एवं सुन्दर होगा तो वातावरण आनन्दपूर्ण बनाने में सहयोगी होगा। विद्यार्थियों को निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाने के साथ–साथ उनकी क्षमताओं को भी अवश्य ध्यान में रखा जाय। इसके लिए विद्यार्थियों की अभिरूचियों को चिन्हित कर उन्हें खेल–कूद, स्काउट–गाइड, गीत–संगीत, वाद–विवाद प्रतियोगिता, एवं आलेखन आदि अभिरूचियों को आगे बढाने हेतु प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता है। यही हमारे द्वारा अपने देश के शहीदों के प्रति कृतज्ञता एवं संविधान के प्रति सम्मान होगा।

मैं विभागीय अधिकारियों से अपील करती हूँ कि वे शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों एवं विद्यालयों की समस्याओं का तत्परता से समाधान करें, समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलम्ब न हो, साथ ही यह भी अपेक्षा करती हूँ कि वे कार्यस्थल पर कुशल नेतृत्व प्रदान करेंगे।

अन्त में देश के शहीदों, राष्ट्र के सेवा में अपना अभीष्ट योगदान करने वाले सपूतों को नमन करते हुए गणतंत्र दिवस के इस पर्व पर हम अपने कार्यों को पूर्ण ईमानदारी एवं कर्तव्य निष्ठा के साथ सम्पादित करने का संकल्प लें। पुनः आपको 66वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

जय हिन्द, जय उत्तराखण्ड।

(सीमा जौनसारी)
निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड